Vishnu Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Vishnu Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय । कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ।

॥ चौपाई ॥
नमो विष्णु भगवान खरारी । कष्ट नशावन अखिल बिहारी ॥

प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी । त्रिभुवन फैल रही उजियारी ॥

सुन्दर रूप मनोहर सूरत । सरल स्वभाव मोहनी मूरत ॥

तन पर पीतांबर अति सोहत । बैजन्ती माला मन मोहत ॥

शंख चक्र कर गदा बिराजे । देखत दैत्य असुर दल भाजे ॥

सत्य धर्म मद लोभ न गाजे । काम क्रोध मद लोभ न छाजे ॥

संतभक्त सज्जन मनरंजन । दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ॥

सुख उपजाय कष्ट सब भंजन । दोष मिटाय करत जन सज्जन ॥

पाप काट भव सिंधु उतारण । कष्ट नाशकर भक्त उबारण ॥

करत अनेक रूप प्रभु धारण । केवल आप भक्ति के कारण ॥

धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा । तब तुम रूप राम का धारा ॥

भार उतार असुर दल मारा । रावण आदिक को संहारा ॥

आप वराह रूप बनाया । हरण्याक्ष को मार गिराया ॥

धर मत्स्य तन सिंधु बनाया । चौदह रतनन को निकलाया ॥

अमिलख असुरन द्वंद मचाया । रूप मोहनी आप दिखाया ॥

देवन को अमृत पान कराया । असुरन को छवि से बहलाया ॥

कूर्म रूप धर सिंधु मझाया । मंद्राचल गिरि तुरत उठाया ॥

शंकर का तुम फन्द छुड़ाया । भस्मासुर को रूप दिखाया ॥

वेदन को जब असुर डुबाया । कर प्रबंध उन्हें ढूंढवाया ॥

मोहित बनकर खलहि नचाया । उसही कर से भस्म कराया ॥

असुर जलंधर अति बलदाई । शंकर से उन कीन्ह लडाई ॥

हार पार शिव सकल बनाई । कीन सती से छल खल जाई ॥

सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी । बतलाई सब विपत कहानी ॥

तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी । वृन्दा की सब सुरति भुलानी ॥

देखत तीन दनुज शैतानी । वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ॥

हो स्पर्श धर्म क्षति मानी । हना असुर उर शिव शैतानी ॥

तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे । हिरणाकुश आदिक खल मारे ॥

गणिका और अजामिल तारे । बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ॥

हरहु सकल संताप हमारे । कृपा करहु हरि सिरजन हारे ॥

देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे । दीन बन्धु भक्तन हितकारे ॥

चहत आपका सेवक दर्शन । करहु दया अपनी मधुसूदन ॥

जानूं नहीं योग्य जप पूजन । होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ॥

शीलदया सन्तोष सुलक्षण । विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ॥

करहुं आपका किस विधि पूजन । कुमति विलोक होत दुख भीषण ॥

करहुं प्रणाम कौन विधिसुमिरण । कौन भांति मैं करहु समर्पण ॥

सुर मुनि करत सदा सेवकाई । हर्षित रहत परम गति पाई ॥

दीन दुखिन पर सदा सहाई । निज जन जान लेव अपनाई ॥

पाप दोष संताप नशाओ । भव-बंधन से मुक्त कराओ ॥

सुख संपत्ति दे सुख उपजाओ । निज चरनन का दास बनाओ ॥

निगम सदा ये विनय सुनावै । पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ॥

Vishnu Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय । कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ।
हे विष्णु भगवान, कृपया मेरे विनय को सुनिए और मुझे कुछ कीर्ति का वर्णन करने और ज्ञान देने का अवसर दीजिए।

॥ चौपाई ॥
नमो विष्णु भगवान खरारी । कष्ट नशावन अखिल बिहारी ।
मैं भगवान विष्णु को नमस्कार करता हूँ, जो कष्टों को नष्ट करने वाले और संसार के पालनहार हैं।

प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी । त्रिभुवन फैल रही उजियारी ।
तुम्हारी शक्ति बहुत प्रबल है, जो त्रिलोकी में प्रकाश फैला रही है।

सुन्दर रूप मनोहर सूरत । सरल स्वभाव मोहनी मूरत ।
तुम्हारा रूप बहुत सुंदर और मनोहर है, तुम्हारा स्वभाव सरल और मोहक है।

तन पर पीतांबर अति सोहत । बैजन्ती माला मन मोहत ।
तुम पीतांबर पहने हुए बहुत सुंदर लगते हो, और बैजन्ती माला तुम्हारे मन को आकर्षित करती है।

शंख चक्र कर गदा बिराजे । देखत दैत्य असुर दल भाजे ।
तुम्हारे हाथ में शंख, चक्र और गदा हैं, जिन्हें देखकर दैत्य और असुर दल भाग जाते हैं।

सत्य धर्म मद लोभ न गाजे । काम क्रोध मद लोभ न छाजे ।

सत्य और धर्म के कारण कोई भी अहंकार, लोभ, काम, और क्रोध नहीं फैल सकते।

संतभक्त सज्जन मनरंजन । दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ।
तुम संतों और भक्तों के मन को प्रसन्न करने वाले हो, और दुष्ट असुरों का संहार करने वाले हो।

सुख उपजाय कष्ट सब भंजन । दोष मिटाय करत जन सज्जन ।
तुम सुख प्रदान करने वाले हो, और कष्टों को नष्ट करते हो, साथ ही दोषों को मिटाते हो।

पाप काट भव सिंधु उतारण । कष्ट नाशकर भक्त उबारण ।
तुम पापों को काटकर भक्तों को भवसागर से उबारते हो और कष्टों को नष्ट करते हो।

करत अनेक रूप प्रभु धारण । केवल आप भक्ति के कारण ।
तुम अनेक रूपों में अवतार लेते हो, और यह सब केवल भक्तिभाव के कारण होता है।

धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा । तब तुम रूप राम का धारा ।
धरती और गाय ने तुम्हें पुकारा, तब तुमने राम रूप में अवतार लिया।

भार उतार असुर दल मारा । रावण आदिक को संहारा ।
तुमने असुरों का संहार किया और रावण सहित अन्य दुष्टों को नष्ट किया।

आप वराह रूप बनाया । हरण्याक्ष को मार गिराया ।
तुमने वराह रूप में अवतार लिया और हरण्याक्ष का वध किया।

धर मत्स्य तन सिंधु बनाया । चौदह रतनन को निकलाया ।
तुमने मत्स्य रूप में समुद्र से चौदह रत्नों को प्राप्त किया।

अमिलख असुरन द्वंद मचाया । रूप मोहनी आप दिखाया ।
तुमने असुरों के बीच द्वंद्व मचाया और मोहिनी रूप दिखाया।

देवन को अमृत पान कराया । असुरन को छवि से बहलाया ।
तुमने देवताओं को अमृत पान कराया और असुरों को भ्रमित किया।

कूर्म रूप धर सिंधु मझाया । मंद्राचल गिरि तुरत उठाया ।
तुमने कूर्म रूप में समुद्र मंथन किया और मंद्राचल पर्वत को उठाया।

शंकर का तुम फन्द छुड़ाया । भस्मासुर को रूप दिखाया ।
तुमने शंकर के बंधन को मुक्त किया और भस्मासुर को नष्ट किया।

वेदन को जब असुर डुबाया । कर प्रबंध उन्हें ढूंढवाया ।
जब असुरों ने वेदों को डुबो दिया, तब तुमने उनका समाधान किया।

मोहित बनकर खलहि नचाया । उसही कर से भस्म कराया ।
तुमने मोहिनी रूप में दुष्टों को नचाया और उन्हें भस्म कर दिया।

असुर जलंधर अति बलदाई । शंकर से उन कीन्ह लडाई ।
असुर जलंधर, जो अत्यधिक बलशाली था, उसने शंकर से युद्ध किया।

हार पार शिव सकल बनाई । कीन सती से छल खल जाई ।
शिव ने उसे हराया, और वह छल करके सती के साथ बुरा व्यवहार करने लगा।

सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी । बतलाई सब विपत कहानी ।
शिवरानी ने तुम्हारा ध्यान किया और सभी समस्याओं की कहानी बताई।

तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी । वृन्दा की सब सुरति भुलानी ।
तुमने मुनियों के रूप में अवतार लिया और वृंदा को अपने वश में किया।

देखत तीन दनुज शैतानी । वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ।
तीन दानव शैतान रूप में दिखे और वृंदा ने तुम्हें पकड़ लिया।

हो स्पर्श धर्म क्षति मानी । हना असुर उर शिव शैतानी ।
धर्म का पालन करते हुए तुमने असुरों का वध किया और शिव के शैतानों को नष्ट किया।

तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे । हिरणाकुश आदिक खल मारे ।
तुमने ध्रुव और प्रहलाद को बचाया और हिरण्यकश्यप तथा अन्य दुष्टों का वध किया।

गणिका और अजामिल तारे । बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ।
तुमने गणिका और अजामिल को उद्धार किया और अनेक भक्तों को भवसागर से पार किया।

हरहु सकल संताप हमारे । कृपा करहु हरि सिरजन हारे ।
तुम हमारे सभी कष्टों को दूर करो, और कृपा कर हमारे सिरजन हारि हो।

देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे । दीन बन्धु भक्तन हितकारे ।
मैं तुम्हारे दर्शन करने के लिए व्याकुल हूं, कृपया मेरे दिल से सेवा करो।

चहत आपका सेवक दर्शन । करहु दया अपनी मधुसूदन ।
मैं तुम्हारे दर्शन के लिए सेवा करने की इच्छा रखता हूँ, कृपया अपनी दया दिखाओ,

मधुसूदन।

जानूं नहीं योग्य जप पूजन । होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ।
मैं जानता नहीं कि कैसे पूजा और जप करना है, कृपया मेरी मदद करें।

शीलदया सन्तोष सुलक्षण । विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ।
मैं शील, दया और संतोष से भरा हुआ हूँ, लेकिन व्रत और नियमों की मुझे जानकारी नहीं है।

करहुं आपका किस विधि पूजन । कुमति विलोक होत दुख भीषण ।
मैं जानता नहीं कि कैसे आपकी पूजा करूं, मेरे मन में विकार हैं जो कष्टकारी हैं।

करहुं प्रणाम कौन विधि सुमिरण । कौन भांति मैं करहु समर्पण ।
मैं प्रणाम कैसे करूं और किस विधि से आपका स्मरण करूं, कृपया मार्गदर्शन करें।

सुर मुनि करत सदा सेवकाई । हर्षित रहत परम गति पाई ।
सभी देवता और मुनि हमेशा आपकी सेवा करते हैं, और वे आपकी कृपा से परम गति प्राप्त करते हैं।

दीन दुखिन पर सदा सहाई । निज जन जान लेव अपनाई ।
आप हमेशा दीन दुखियों की सहायता करते हैं और अपने भक्तों को अपनाते हैं।

पाप दोष संताप नशाओ । भव-बंधन से मुक्त कराओ ।
आप पापों और दोषों को नष्ट करते हैं और भवबंधन से मुक्ति दिलाते हैं।

सुख संपत्ति दे सुख उपजाओ । निज चरनन का दास बनाओ ।
आप सुख और संपत्ति प्रदान करते हैं और हमें अपने चरणों का दास बना लेते हैं।

निगम सदा ये विनय सुनावै । पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ।
जो लोग इस विनय को सुनते या पढ़ते हैं, वे सदा सुख और शांति प्राप्त करते हैं।

Vishnu Chalisa Lyrics in English

DOHA
Vishnu suniye vinay sevak ki chitalay.
Kirat kuch varnana karun, dijai gyaan batay.

CHAUPAI
Namo Vishnu Bhagwan kharari.

Kasht nashavan akhil bihari.

Prabal jagat mein shakti tumhari.
Tribhuwan fail rahi ujiyari.

Sundar roop manohar soorat.
Saral swabhav mohni murat.

Tan par peetambar ati sohat.
Baijanti mala man mohat.

Shankh chakra kar gada viraje.
Dekht daitya asur dal bhaje.

Saty dharm mad lobh na gaje.
Kaam krodh mad lobh na chhaje.

Santbhakt sajjan manranjan.
Danuj asur dushtan dal ganjan.

Sukh upajay kasht sab bhanjan.
Dosh mitay kart jan sajjan.

Paap kaat bhav sindhu utaran.
Kasht naashkar bhakt ubaran.

Kart anek roop prabhu dhaaran.
Keval aap bhakti ke kaaran.

Dharnhi dhenu ban tumhin pukara.
Tab tum roop Ram ka dhaara.

Bhaar utaar asur dal maara.
Raavan aadik ko sanhaara.

Aap Varah roop banaya.
Harnyaks ko maar giraaya.

Dharn Matsya tan sindhu banaya.

Chaudah ratnan ko nikalaaya.

Amilkh asuran dwand machaya.
Roop mohni aap dikhaya.

Devan ko amrit paan karaya.
Asuran ko chhavi se behlaaya.

Kurm roop dhar sindhu majhaya.
Mandrachal giri turat uthaya.

Shankar ka tum phand chhudaaya.
Bhasmaasur ko roop dikhaya.

Vedan ko jab asur dubaya.
Kar prabandh unhein dhoondhwaya.

Mohit bankar khalahi nachaya.
Usahi kar se bhasma karaya.

Asur Jaladhar ati baldaayi.
Shankar se un kiinh ladai.

Haar paar Shiv sakal banayi.
Keen Sati se chal khal jaayi.

Sumiran keen tumhe Shivrani.
Batayi sab vipat kahani.

Tab tum bane Munishwar Gyaani.
Vrinda ki sab surati bhulani.

Dekht teen danuj shaitani.
Vrinda aayi tumhe laptaani.

Ho sparsh dharm kshati maani.
Hana asur ur Shiv shaitani.

Tumne Dhruv Prahlad ubare.

Hiranyakush aadik khal maare.

Ganika aur Ajamil taare.
Bahut bhakt bhav sindhu utaare.

Harhu sakal santap humare.
Kripa karhu Hari sirjan haare.

Dekhun main nij darsh tumhare.
Deen bandhu bhaktan hitkaare.

Chahat aapka sevak darshan.
Karhu daya apni Madhusudan.

Jaanu nahin yogya jap poojan.
Hoy yagna stuti anumodan.

Sheeldaya santosh sulakshan.
Vidit nahin vratabodh vilakshan.

Karhu aapka kis vidhi poojan.
Kumati vilok hot dukh bheeshan.

Karhu pranam kaun vidhi sumiran.
Kaun bhanti main karhu samarpan.

Sur muni karat sada sevakai.
Harshit rahate param gati paayi.

Deen dukhiyan par sada sahai.
Nij jan jaan lev apnaayi.

Paap dosh santap nashao.
Bhav-bandhan se mukt karao.

Sukh sampatti de sukh upajao.
Nij charanan ka daas banao.

Nigam sada ye vinay sunawai.

Padhai sunai so jan sukh paawai.

Vishnu Chalisa Meaning in English

॥ दोहा ॥
Vishnu suniye vinay sevak ki chitalay.
O Vishnu, listen to the plea of your devotee.
Kirat kuch varnana karun, dijai gyaan batay.
I wish to describe a little and grant me knowledge.

॥ चौपाई ॥
Namo Vishnu Bhagwan kharari.
I bow to Lord Vishnu, the protector of the universe.
Kasht nashavan akhil bihari.
He who removes all troubles, the one who resides in all.

Prabal jagat mein shakti tumhari.
Your power is immense in the world.
Tribhuwan fail rahi ujiyari.
Your light spreads throughout the three worlds.

Sundar roop manohar soorat.
You have a beautiful and enchanting form.
Saral swabhav mohni murat.
Your simple nature is like an irresistible idol.

Tan par peetambar ati sohat.
You wear a yellow cloth that adorns your body.
Baijanti mala man mohat.
The garland of Baijanti flowers captivates the heart.

Shankh chakra kar gada viraje.
The conch, wheel, and mace are your divine weapons.
Dekht daitya asur dal bhaje.
Seeing this, the demons and evil forces are defeated.

Saty dharm mad lobh na gaje.
Truth and righteousness are never disturbed by pride, greed, or lust.

Kaam krodh mad lobh na chhaje.
Desire, anger, pride, and greed cannot even touch you.

Santbhakt sajjan manranjan.
You delight the hearts of saints, devotees, and good people.
Danuj asur dushtan dal ganjan.
You destroy the demons, evil forces, and wicked ones.

Sukh upajay kasht sab bhanjan.
You create happiness and destroy all suffering.
Dosh mitay kart jan sajjan.
You remove the flaws and sins of good people.

Paap kaat bhav sindhu utaran.
You cut away sins and help cross the ocean of life.
Kasht naashkar bhakt ubaran.
You destroy suffering and help devotees get liberated.

Kart anek roop prabhu dhaaran.
You assume many forms, O Lord.
Keval aap bhakti ke kaaran.
Only by devotion to you, all is possible.

Dharnhi dhenu ban tumhin pukara.
The earth called you to take form as a boar.
Tab tum roop Ram ka dhaara.
Then you took the form of Ram.

Bhaar utaar asur dal maara.
You lifted the burden by defeating the demon army.
Raavan aadik ko sanhaara.
You destroyed Ravana and others.

Aap Varah roop banaya.
You assumed the form of a boar.
Harnyaks ko maar giraaya.
You killed the demon Harnaksha.

Dharn Matsya tan sindhu banaya.
You took the form of a fish and created the ocean.
Chaudah ratnan ko nikalaaya.
You brought out the fourteen jewels from the ocean.

Amilkh asuran dwand machaya.
You created a fierce battle between demons.
Roop mohni aap dikhaya.
You showed your enchanting form.

Devan ko amrit paan karaya.
You made the gods drink nectar.
Asuran ko chhavi se behlaaya.
You misled the demons with your illusion.

Kurm roop dhar sindhu majhaya.
You took the form of a tortoise and churned the ocean.
Mandrachal giri turat uthaya.
You lifted the Mandarachal mountain swiftly.

Shankar ka tum phand chhudaaya.
You freed Lord Shiva from the trap.
Bhasmaasur ko roop dikhaya.
You showed Bhasmasur his true form.

Vedan ko jab asur dubaya.
When demons drowned the Vedas,
Kar prabandh unhein dhoondhwaya.
You arranged for them to be found again.

Mohit bankar khalahi nachaya.
You enchanted the wicked and made them dance.
Usahi kar se bhasma karaya.
By the same hand, you made them turn to ashes.

Asur Jaladhar ati baldaayi.
The demon Jaladhar became extremely powerful.
Shankar se un kiinh ladai.

He fought with Lord Shiva.

Haar paar Shiv sakal banayi.
Lord Shiva made sure he was defeated.
Keen Sati se chal khal jaayi.
He tricked Sati and caused his downfall.

Sumiran keen tumhe Shivrani.
Sivani prayed to you, O Lord.
Batayi sab vipat kahani.
She told you about all the troubles.

Tab tum bane Munishwar Gyaani.
Then, you became the wise sage.
Vrinda ki sab surati bhulani.
You made Vrinda forget all thoughts.

Dekht teen danu shaitani.
Three demon sons were watching the evil scene.
Vrinda aayi tumhe laptaani.
Vrinda came and embraced you.

Ho sparsh dharm kshati maani.
You touched them, and their sins were erased.
Hana asur ur Shiv shaitani.
You defeated the evil forces in your heart.

Tumne Dhruv Prahlad ubare.
You saved Dhruv and Prahlad.
Hiranyakush aadik khal maare.
You killed the wicked demon Hiranyakashipu.

Ganika aur Ajamil taare.
You saved the courtesan and Ajamila.
Bahut bhakt bhav sindhu utaare.
You helped many devotees across the ocean of life.

Harhu sakal santap humare.

Remove all our sufferings.
Kripa karhu Hari sirjan haare.
Show us mercy, O Lord, creator of all.

Dekhun main nij darsh tumhare.
I long to see your divine form.
Deen bandhu bhaktan hitkaare.
You are the friend of the downtrodden and the benefactor of devotees.

Chahat aapka sevak darshan.
I wish to see your devoted servant’s vision.
Karhu daya apni Madhusudan.
Grant me your mercy, O Madhusudan.

Jaanu nahin yogya jap poojan.
I don’t know the proper method for chanting or worshipping.
Hoy yagna stuti anumodan.
Make my worship acceptable to you.

Sheeldaya santosh sulakshan.
With your kindness, I will have peace.
Vidit nahin vratabodh vilakshan.
I don’t know the specifics of the vow.

Karhu aapka kis vidhi poojan.
How should I worship you, O Lord?
Kumati vilok hot dukh bheeshan.
Remove the wicked thoughts and destroy the intense suffering.

Karhu pranam kaun vidhi sumiran.
How should I do my pranam (salutation) and remembrance?
Kaun bhanti main karhu samarpan.
In what way should I surrender myself?

Sur muni karat sada sevakai.
The gods and sages always serve you.
Harshit rahate param gati paayi.
They are happy and attain the highest destination.

Deen dukhiyan par sada sahai.
You always help the poor and the suffering.
Nij jan jaan lev apnaayi.
You accept your devotees as your own.

Paap dosh santap nashao.
Destroy our sins, flaws, and suffering.
Bhav-bandhan se mukt karao.
Free us from the bondage of life.

Sukh sampatti de sukh upajao.
Grant us happiness and prosperity.
Nij charanan ka daas banao.
Make us your servant, O Lord.

Nigam sada ye vinay sunawai.
Always listen to these prayers.
Padhai sunai so jan sukh paawai.
Those who read and listen will be blessed with happiness.